

३६. श्रीकृष्ण° PAKĀR. 4, 2, 64, 10, 18. Spr. 2871. Verz. d. Oxf. H. No. 324. WILSON, Sel. Works I, 147. °वारिक Bez. eines best. klösterlichen Beamten VJUTP. 210.

भञ्जना (von भञ्ज) f. dass.: शिवे Spr. 4262.

भञ्जनामृत (भञ्ज + ञ°) n. Titel einer Schrift WILSON, Sel. Works I, 163, 168.

भञ्जनीय (von भञ्ज) adj. zu lieben, zu verehren MBh. 1, 3419. Nir. 4, 10. ÇĀND. 83. Bhāg. P. 1, 19, 38. 3, 32, 22. 9, 2, 31.

भञ्जमान (wie eben) 1) partic. s. u. भञ्ज. — 2) adj. *schicklich, passend* AK. 2, 8, 4, 24. H. 743. — 3) m. N. pr. verschiedener Fürsten HARIV. 1999. 2001. fg. 2013. VP. 424. 433. fg. Bhāg. P. 9, 24, 6. 7. 18. 23.

भञ्जि (wie eben) m. N. pr. eines Fürsten Bhāg. P. 9, 24, 6. भञ्जिन् HARIV. 1099 (acc. भञ्जिनम्). भञ्जिन VP. 424.

भञ्जिन् s. u. भञ्जि.

भञ्ज्य (von भञ्ज) adj. *verehrungswerth* Bhāg. P. 5, 17, 18.

भञ्जैर्य (भञ्जैर्य Padap.) m.: *असमातिं नितोषन्नं तेषं निर्यपिन् रथम्। भञ्जैर्यस्य सत्पतिम् RV. 10, 60, 2.* Wahrscheinlich fehlerhaft.

भञ्ज्य partic. ful. pass. von भञ्ज Vop. 26, 12.

1. भञ्ज् भञ्जति DuĀTUP. 29, 16. वभञ्ज. अभाङ्गीत्. भञ्जयति (Kār. 2 aus Siddh. K. zu P. 7, 2, 10); mod. वभञ्जिरे nur ein Mal (HARIV. 12229); भङ्गा (die häufigere Form) und भक्ता P. 6, 4, 32. Vop. 26, 207; pass. भञ्जते, अभाञ्जि und अभाञ्जि P. 6, 4, 33. Vop. 24, 7. brechen, zerbrechen, zersprengen: वभञ्ज मनुमोक्षसा RV. 8, 4, 3. यथा वातौ वृक्षान्भनक्ति — एवा सपत्न्यान्मे भङ्गि AV. 10, 3, 13. 1, 15. तान्नदङ्ग इव भञ्जताम् 8, 9, 3. भञ्जवमित्रिणां सेनाम् 11, 9, 5. KĀTJ. Çr. 6, 7, 5. यद्यस्य दण्डो भञ्जते KAUC. 37. स्वयंभ्य KĀTJ. Çr. 15, 3, 11. वने भञ्जन्महादुमान् MBh. 1, 5883. 6003. 3, 11091 (S. 372). BHATT. 9, 2, 8. 129. 14, 19. तद्वभञ्ज धनुर्मध्ये R. 1, 67, 17 (69, 18 GORR.). BHATT. 3, 36. 103. 3, 22. PAKĀT. III, 179. शाखाम् — पुष्करायेणाभाङ्गीत् 80, 8. BHATT. 2, 42. 9, 101. 13, 121. दत्तान्वभञ्ज संरम्भात् seine Zähne HARIV. 6734. वभञ्जिरे च यूपयान् 12229. भनक्ति सर्वमर्थादाः BHATT. 6, 38. भङ्गा MBh. 1, 6038. भक्ता Hip. 1, 56). R. 3, 36, 45. भङ्गा बलादागुराम् Spr. 923. 2013. MĀRK. P. 14, 63. BHATT. 4, 3. सूत्रं तदङ्गा brechend so v. a. theilend Siddh. K. zu P. 8, 4, 28. भञ्जमानस्य भीमेन तस्य घोरस्य रक्तसः MBh. 1, 6291. तां पनक्तीं वरराक्षो भञ्जमानां लतामिव 3, 10990. R. 5, 2, 28. RAGH. 11, 46. द्विधा भञ्जयेमप्येवं न नमेयं तु कस्यचित् R. 6, 12, 11. अपि भञ्जे तदा देवि न नमेयं तु कस्यचित् 34, 9. धनुरभाञ्जि गन्धया RAGH. 11, 76. वभञ्ज (wohl वभञ्जे zu lesen): डिम्भः zerbrach (intrans.) PAKĀR. 2, 2, 38. भयो ऽन्नः MBh. 3, 7214. युग M. 8, 291. खट्वा PAKĀT. 36, 12. यानपात्र KATHĀS. 36, 83. नृ 32, 164. शरामन ÇĀK. 119. भयदत्तनख KĀM. NITIS. 14, 34. भयदष्ट खरारगः R. 1, 53, 9. भयबाहू रक्तधर Bhāg. P. 8, 6, 36. भयविषाणक H. 1239. भयप्रङ्ग HALĀJ. 2, 112. ÇĀK. 32, v. 1. हिन्ना कृपाः कुञ्जराद्यापि भयाः (so die ed. Bomb.; MBh. 7, 8152. शलैभ्यमतङ्गज्ञ RAGH. ed. Calc. 12, 73. पतितः सखलितो भयः der sich Etwas gebrochen hat Bhāg. P. 6, 2, 13. ग्रीवाभय Vet. in LA. 17, 6. भयसंधि GĀRUPA-P. 173 im ÇKDR. भयपार्श्व von Schmerzen in den Seiten heimgesucht SUG. 1, 234, 10. ज्ञर्या भयाः gebrochen. geknickt Spr. 4138. कर्णाविवेषा च भयः 604. भयमनम् gebrochenen Herzens so v. a. entmuthigt Bhāg. P. 8, 6, 36. (वायुः) प्रविष्ट्य सर्वगात्राणि वभञ्ज so v. a. krumm machen R. 1, 34, 22. ताः क-

V. Theil.

न्या वायुना भयाः 23. 24. भञ्जमानेघनीकेषु zersprengt —, geschlagen werden MBh. 3, 14905. 4, 1735. HARIV. 10308. fg. तवाभ्यङ्गलं वेगादतिनेव मकुलुमः MBh. 9, 1093. वभञ्जानुजम् schlagen, eine Niederlage beibringen RĀGA-TAR. 4, 276. भयं geschlagen, bestegt H. 803. MBh. 3, 5964. भयो युधि जरासंधस्त्वया द्रवति HARIV. 3636. 6832. 11036 (S. 791). R. 1, 66, 25 (68, 23 GORR.). 3, 54, 9. उत्थातिर्भयैश्च बहुधा नृपैः — पादपैरिव RAGH. 4, 33. Spr. 1643. 4473. 4499. KATHĀS. 10, 188. 38, 12. 13. 43, 105. RĀGA-TAR. 5. 340. दुर्गं भङ्गा die Festung sprengend, einnehmend Hit. 104, 1, v. 1. दुर्गं भयम् 113, 13, 17, v. 1. द्रव्यं भयम् so v. a. verloren M. 8, 148. brechen so v. a. unterbrechen, aufheben, hemmen, stören, vereiteln: वासवस्योत्सवं भङ्गा HARIV. 4133. भञ्जेत च जगत्स्थितिः KATHĀS. 41, 18. एकं मानं भञ्जेत würde aufgehoben werden KUM. 38, 13. द्वितीयात्मस्य मा भाङ्गं प्रतिज्ञाम् MBh. 1, 6868. भयप्रतिज्ञ HARIV. 7207. गतिर्भया R. 4, 22, 14. भयशक्ति RĀGA-TAR. 6, 340. भयापद् Spr. 922. अयमयोग MBh. 13, 1377. भयोत्साह-क्रियात्मानः 1, 5154. भयव्रत Spr. 1090. RAGH. 17, 42. MĀRK. P. 5, 660. Z. 4. ÇĀMĀ. zu Bhā. Ār. Up. S. 319. समारम्भाः Spr. 3173. भयोद्यम 1823. भयाभिनय KATHĀS. 43, 256. भयमेनोर्य R. 3, 67, 23. KUMĀRAS. 3, 1. अयम-कामा RAGH. 3, 7. भयाश Spr. 33. 2012. भययाञ्चा adj. Bhāg. P. 5, 18, 21. मानकलि Spr. 330. भयमान Bhāg. P. 3, 2, 33. Spr. 2273. धर्मभय der seine Pflicht verletzt HARIV. 7342. — अयमङ्गलं und अयाङ्गुः Bhāg. P. 9, 4, 2. falschlich für अयमङ्गलं und अयानुः. Vgl. भय. दुर्भय. भङ्गुर. भङ्ग. भङ्गि. भङ्गिन्. भङ्गि-मन्, भङ्गुर, भङ्गुर. भञ्जक, भञ्जन.

— intens. वभञ्जते, वभञ्जति P. 7, 4, 86. Vop. 20, 8.

— अयि zerbrechen, zerstören: देवसेनानामभिभञ्जतीनां जयंतीनां मरु-तो गृह्ययम् RV. 10, 103, 8. — Vgl. अभिभङ्ग.

— अयि abbrechen, zerbrechen, brechen: वृत्तं तरसावभञ्ज MBh. 1, 7081. 3, 10043. R. 5, 74, 8. काष्ठानि चावभञ्जानि R. 2, 100, 5. हिवा कृपाः कुञ्ज-राद्यावभयाः (राद्यापि भ° ed. Bomb.) MBh. 7, 8152. तमायु विघ्नं तपस-स्तपस्वी वनस्पतिं वञ्ज इवावभञ्ज KUMĀRAS. 3, 74. अयमभञ्ज मे मानः ge- brochen, dahin R. 4, 22, 14. — Vgl. अयमभञ्ज.

— व्या zerbrechen, zerschmettern: व्याभयजर्जरशिरास्थि व्याभुम् V. 1. PRAB. 67, 11.

— उद्, partic. उद्भय gesprengt, zerrissen SUG. 1, 22, 20.

— उप s. उपभङ्ग.

— नि zerbrechen, zerschmettern: शरीरं लोहितान्नस्य न्यभाङ्गीत् BHATT. 13, 117.

— निम् zerbrechen, zerspalten: यथाश्रित्य निर्भनो (der Wurzelcon- sonant gewichen, die Personalendung erhalten!) असर्मकृत्यर्षावे। एव तान्सर्वार्थिर्भङ्गि यान्हे देहिम् AV. 3, 6, 7. निर्भयमानधिषणाधनकेमकुम्भश-ङ्गाटका Bhāg. P. 9, 10, 17. (वृक्षान्) निर्भजति (lies निर्भञ्जति) निपति च R. 5, 73, 37. निर्भय इव वातेन कर्णिकारः MBh. 7, 3333. schlagen (im Kampf); निर्भयो देवराजश्च 3, 3374. नातिनिर्भय nicht sehr gebogen, ein- gedrückt: उरम् R. GORR. 2, 8, 41.

— विनिम् zerbrechen: ऊरुवातविनिर्भया हुमाः MBh. 3, 12447. विनि- र्भयनयन ausgeschlagene Augen habend R. 3, 31, 48.

— परि, partic. परिभय gebrochen: काष्ठानि R. GORR. 2, 108, 8. unter- brochen, gestört, gehemmt: ऽक्रम MBh. 12, 3888.

— प्र zerbrechen, zerstören, zersprengen, schlagen (ein Heer: प्र यो

12°